ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८ १२५

बुलेटिन संख्या-३७
दिनांक- शुक्रवार,१० मई,२०१९

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ४०.६ एवं २४.६ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ६८ सुबह में एवं दोपहर में ४५ प्रतिशत, हवा की औसत गति ६.४ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ५.० मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ९.३ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में ३१.७ एवं दोपहर में ४१.६ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(११-१५ मई,२०१९)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी ११-१५ मई, २०१९ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के से मध्यम बादल छाये रह सकते है। उत्तर बिहार के तराई तथा मैदानी जिलों में १३-१४ मई के आस-पास कहीं-कहीं गरज वाले बादल बनने के साथ हल्की वर्षा की संभावना है। वर्षा के दौरान कुछ स्थानों पर हवा तेज रह सकती है।
- अधिकतम तापमान ३७ से ४० डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। न्यूनतम तापमान २२ से २४ डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है।
- अगले १ से २ दिनों तक पछिया तथा उसके बाद मुख्यतः पूरवा हवा औसतन १० से १५ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से रहने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ७० से ८० प्रतिशत तथा दोपहर में ५० से ६० प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- १३-१४ मई के आस-पास वर्षा की संभावना को देखते हुए किसान भाई कृषि कार्यो में सर्तकता बरते। इस दौरान रबी मक्का की कटनी-दौनी नहीं करें। खड़ी फसलों में सिंचाई स्थगित रखें।
- हल्दी की बुआई १५ मई से शुरू करें। हल्दी की राजेन्द्र सोनिया, राजेन्द्र सोनाली किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित है। खेत की जुताई में २५ से ३० टन गोबर की सड़ी खाद, नेत्रजन ६० से ७५ किलोग्राम, स्फूर ५० से ६० किलोग्राम, पोटास १०० से १२० किलोग्राम एवं जिंक सल्फेट २० से २५ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। हल्दी के लिए बीज दर २० से २५ क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रकन्द का आकार ३०-३५ ग्राम जिसमें ४ से ५ स्वस्थ कलियाँ हो। रोपाई की दुरी 30x20 से०मी० तथा गहराई ५ से ६ से०मी० रखे। अच्छे उपज के लिए २.५ ग्राम दाईथेन एम० ४५ + ०.१ प्रतिशत कारवेन्डाजीम प्रति किलोग्राम बीज की दर से घोल बनाकर उसमें आधा घंटे तक उपचारित करने के बाद बुआई करे।
- अदरक की बुआई १५ मई से शुरू करें। अदरक की मरान एवं नदिया किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित है। खेत की जुताई में २५ से ३० टन गोबर की सड़ी खाद, नेत्रजन ३० से ४० किलोग्राम, स्फूर ५० किलोग्राम, पोटास ८० से १०० किलोग्राम जिंक सल्फेट, २० से २५ किलोग्राम एवं बोरेक्स १० से १२ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। अदरक के लिए बीज दर १८ से २० क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रकन्द का आकार २०-३० ग्राम जिसमें ३ से ४ स्वस्थ कलियाँ हो। रोपाई की दुरी 30x20 से०मी० रखे। अच्छे उपज के लिए रीडोमिल दवा के ०.२ प्रतिशत घोल से उपचारित बीज की बुआई करें।
- ओल की रोपाई संपन्न करने का प्रयास करें। रोपाई के लिए गजेन्द्र किस्म अनुशंसित है। प्रत्येक ०.५ किलोग्राम के कन्द की रोपनी के लिए दूरी 75x75 से० मी० रखें। ०.५ किलोग्राम से कम वजन की कंद की रोपाई नहीं करे। बीज दर ८० क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से रखें। ओल की कटे कन्द को ट्राइकोर्डमा भिरीडी दवा के ५.० ग्राम प्रति लीटर गोबर के घोल में मिलाकर २०-२५ मिनट तक डुबोकर रखने के बाद कन्द को निकालकर छाया में १०-१५ मिनट तक सुखने दें उसके बाद उपचारित कन्द को लगायें।
- खरीफ धान की र्नसरी के लिए खेत की तैयारी करें। स्वस्थ पौध के लिए र्नसरी में सड़ी हुई गोबर की खाद का व्यवहार करे। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु ८००- १००० बर्ग मीटर क्षेत्रफल में क्यारी की चौराई १.२५-१.५ मीटर तथा लम्बाई सुविधा अनुसार रखें। बीज की व्यवस्था प्रमाणित स्त्रोत से करें। देर से पकने वाली किस्मों की नर्सरी २५ मई से लगा सकते हैं।
- मूंग एवं उरद् में कीट एवं रोग-व्याधि की नियमित रुप से निगरानी करें। इन फसलों में सफेद मक्खी (एक रस चुसक कीट) के द्वारा प्रसारित होने वाला एक विनाशकारी रोग पीला मोजैक विषाणु रोग है। इसके शुरूवाती लक्षण पत्तियों पर पीले धब्बे के रूप दिखाई देता है, बाद में पत्तियाँ तथा फलियाँ पूर्ण रूप से पीली हो जाती है। इन पत्तियों पर उत्तक क्षय भी देखा जाता है। फलन काफी प्रभावित होता है। उपचार हेतु रोग ग्रसित पौधों को शुरू में ही उखाड़ कर नष्ट कर दें तथा इमिडाक्लोरोप्रिड १७.८ एस० एल०/०.३ मि०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
- खरीफ मक्का की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। खेत की जुताई में १० से १५ टन गोबर की सड़ी खाद प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। हरी खाद के लिए सनई और ढ़ैचा की बुआई करें।

आज का अधिकतम तापमानः ४०.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ४.१ डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः २४.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.२ डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी